This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5205**

Unique Paper Code : **205340** **G**

Name of the Paper : **Hindi-B**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) इस तरह कभी कोई नहीं लौटा होगा

बचपन के उस पैतृक घर से

वहाँ बाबा थे, दादी थीं, माँ और पिता थे

लड़ते-झगड़ते भी साथ-साथ रहते थे सारे भाई-बहन

कोई न कोई हर वक्त बना रहता था घर में

पल दो पल को बिठा ही लिया जाता था हर आने वाले को

पूछ लिया जाता था गुड़ और पानी को

ख़बर मिल जाती थी बाहर गए आदमी को

ताला देखकर शायद ही कभी कोई लौटा होगा घर से ।

P.T.O.

(*i*) यह काव्यांश जिस कविता से लिया गया है, उस कविता और उसके [...] का नाम लिखिए ।

(*ii*) इन पंक्तियों में परिवार के वातावरण का चित्रण किस प्रकार किया [...] है ?

(*iii*) 'इस तरह कभी कोई नहीं लौटा होगा'—इन पंक्तियों से कवि का क्या ता[...] है ?

(*iv*) बाहर से आने वाले के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाता था [...]

(ख) आज भी किसी परिचित या अपरिचित के घर में मेरी पीढ़ी के लोगों की आँ[...] निजी पुस्तकालय खोजने लगती हैं । यही कारण है कि हम लोगों के पुस्तकाल[...] में एक-दूसरे की ख़रीदी हुई कुछ ऐसी पुस्तकें अवश्य सुशोभित नज़र आती [...] जिन्हें हम जान-बूझकर लौटाना भूल गए । तब के लोगों की स्मृति में [...] गंध सबसे ज्यादा तीव्रता से उपस्थित रही वह थी पुस्तक-गंध । वे किताबों [...] पढ़ना ही नहीं, सूँघना भी पसंद करते थे । बल्कि कुछ को तो वह सूँघ-साँ[...] ही पढ़ा हुआ मान लेते थे । तब के कुछ लोगों का बस चलता तो पुस्तकों [...] सूँघते ही नहीं, चखते भी । 'पुस्तक चाटना' और 'पुस्तक घोंटकर पी जाना' [...] मुहावरे इसी दमित इच्छा से उपजे थे शायद । सच तो यह है कि तब के लो[...] को पुस्तक से प्यार हो गया था ।

(*i*) यह अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं [...]

(*ii*) कुछ पुस्तकों को 'जान-बूझकर लौटाना भूल' जाने का कारण बताइए ।

(*iii*) "कुछ को तो वह सूँघ-साँघकर ही पढ़ा हुआ मान लेते थे"—इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) 'पुस्तक चाटना' और 'पुस्तक घोंटकर पी जाना' में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(ग) कुछ दिनों बाद जगदीश बाबू का एकाकीपन दूर हो गया । उन्हें अब चौक, कैफे ही नहीं सारा शहर अपनेपन के रंग में रँगा हुआ सा लगने लगा । परन्तु अब उन्हें यह बार-बार 'दाज्यू' कहलाना अच्छा नहीं लगता और यह मदन था कि दूसरी टेबल से भी 'दाज्यू' .... ।

'मदन ! इधर आओ ।'

'आया दाज्यू !'

'दाज्यू' शब्द की आवृत्ति पर जगदीश बाबू के मध्यवर्गीय संस्कार जाग उठे—अपनत्व की पतली डोरी 'अहं' की तेज धार के आगे न टिक सकी ।

'दाज्यू, चाय लाऊँ ?'

'चाय नहीं, लेकिन यह दाज्यू-दाज्यू क्या चिल्लाते रहते हो दिन-रात । किसी की 'प्रेस्टिज' का ख्याल भी नहीं है तुम्हें ?'

जगदीश बाबू का मुँह क्रोध के कारण तमतमा गया, शब्दों पर अधिकार नहीं सका। मदन 'प्रेस्टिज' का अर्थ समझ सकेगा या नहीं, यह भी उन्हें ध्यान रहा, पर मदन बिना समझाए ही सब कुछ समझ गया था ।

मदन को जगदीश बाबू के व्यवहार से गहरी चोट लगी ।

(*i*) प्रस्तुत गद्यांश किस कहानी से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखि

(*ii*) 'अपनत्व की पतली डोरी 'अहं' की तेज धार के आगे न टिक सकी'– कथन के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ?

(*iii*) मदन को जगदीश बाबू के व्यवहार से गहरी चोट क्यों लगी ?

(*iv*) 'दाज्यू' कौन-सी बोली का शब्द है और इसका अर्थ क्या है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3

(क) ''धोबी, पासी, चमार, तेली/खोलेंगे अँधेरे का ताला'' से निराला का अभिप्राय है ?

(ख) 'बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु'–कविता का सार लिखिए ।

(ग) 'स्वयंभू महापंडित' के अनुसार राहुल जी की तीसरी तिब्बत यात्रा कब हुई ? कितनी पुस्तकें खोजी गईं ?

(घ) 'गांधीजी और भाषा-समस्या' के आधार पर लिखिए कि हिन्दी और उर्दू की में गांधीजी के क्या विचार थे ?

(ङ) 'कॉफी हाऊस' पाठ में भारत के विभिन्न शहरों के कॉफी हाउसों में क्या अंतर बताया गया है ?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3×6=18

(क) हिंदी के नामकरण को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) हिंदी के विकास की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) ब्रजभाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(घ) बिहारी उपभाषा की बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×9=18

(क) भाषा और लिपि का संबंध

(ख) लिपि का विकास

(ग) 'देवनागरी' लिपि की विकास-यात्रा

(घ) 'देवनागरी' लिपि की प्रमुख विशेषताएँ ।

5. (क) शब्द-शक्ति से क्या अभिप्राय है ? शब्द-शक्ति के प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय दीजिए । 7

अथवा

लक्षणा और व्यंजना शब्द-शक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "सपने में तुम नित आते हो, मैं हूँ अति सुख पाती।

मिलने को उठती हूँ, सौतन आँख प्रथम उठ जाती ॥"

इन काव्य-पंक्तियों में लाक्षणिक प्रयोग स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर ।

पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥'

इन पंक्तियों में व्यंजित अर्थ स्पष्ट कीजिए ।